समाज और संत के बीच लोक कल्याण हेतु सेतु बननेवाला महापुण्य का भागी होता है ।

संत श्री आशारामजी आश्रम द्वारा प्रकाशित

मूल्य : ₹ ४.५०

लोक कल्याण सेतु

रजि. समाचार पत्र

• प्रकाशन दिनांक : १५ नवम्बर २०२३ • वर्ष : २७ • अंक : ०५ (निरंतर अंक : ३१७) • भाषा : हिन्दी • पृष्ठ संख्या : २० (आवरण पृष्ठ सहित)

तुलसी पूजन दिवस : एक विश्वव्यापी आयोजन ८

कैलिफोर्निया (यू.एस.ए.)

दुबई (यू.ए.ई.)

ब्रैम्पटन (कनाडा)

लंदन (यू.के.)

कैलाली (नेपाल)

'संसार में तुलसी से अधिक पवित्र वस्तु दूसरी कोई नहीं है ।' (अगस्त्य संहिता)

'तुलसी कैंसररोधी, मधुमेहरोधी, कीटाणुनाशक, हृदयरक्षक तथा पेट के रोगों से रक्षा करनेवाली है ।' (एनल्स ऑफ क्लिनिकल केस स्टडीज)

२५ दिसम्बर

मानवमात्र के कल्याण का खजाना सँजोये हुए है गीता ग्रंथ ।

पढ़िये गीता की चार मुख्य विद्याएँ ३

श्रीमद्भगवद्गीता जयंती : २२ दिसम्बर

बिखर रहे हैं परिवार, बढ़ रही हैं दूरियाँ : शोध ७

कलियुगी मनुष्य की भूख कैसे मिटे ? ११

• अमेरिका में मनाया जायेगा 'हिन्दू हेरिटेज मंथ' ५
• धर्मांतरण-ग्रस्त क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्यक्रम १२
• उजागर हुए धर्मांतरण के नये छिपे हथकंडे १२
• विद्यालयों में मोबाइल फोन पर लगेगी रोक १४

नौकरी-धंधे की समस्या दूर करने व मनोकामनापूर्ति हेतु १७

बच्चों की आत्महत्याओं में क्यों हो रही है वृद्धि ? १०

शीत ऋतु हेतु खास पौष्टिक लड्डू, प्रयोग व वज्र रसायन टेबलेट १५

अपने जीवन, देश एवं विश्व की रक्षा के अनमोल सूत्र

एकत्व में, संगठन में शक्ति है। आपस में संगठित हो जाओ और गाँव, जिले, प्रदेश, सारे देश और फिर समस्त संसार की सेवा करो। सेवा बड़ा तीर्थ और यज्ञ है। आपस में प्रेम कैसे होगा ? सहानुभूति से। निर्विकारी, शुद्ध प्रेम प्रभु का स्वरूप है, वैर-विरोध है काल। दूसरों की भलाई से हममें से निर्बलताएँ मिट जायेंगी और हमारी भलाई होगी। - भगवत्पाद साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज

सर्वे भवन्तु सुखिनः। जैसे हमारा एक हाथ अस्वस्थ है तो हम पूर्ण स्वस्थ नहीं माने जायेंगे, ऐसे ही देश के सब लोगों की उन्नति हो, सबकी भलाई हो, सबका कल्याण हो, निजी स्वार्थ पर इतना जोर न दें जितना सबकी भलाई पर जोर दें तो देश जल्दी उन्नत होगा। हमारे चित्त में भारत की संस्कृति के प्रति प्रेम हो और प्रसन्नता हो तथा बुद्धि में अगर आध्यात्मिकता का समत्व योग मिलाया जाय तो जैसे पहले हमारा देश विश्वगुरु था वैसे ही फिर उसी ऊँचे शिखर पर चमकेगा। - संत श्री आशारामजी बापू

तत्त्ववेत्ताओं या परम भक्तों से विश्व का कल्याण स्वयं होता है। अंतर यही होता है कि विश्व उन्हें नहीं जान पाता कि ये हमारा कल्याण कर रहे हैं अर्थात् वे भौतिक दृष्टि से 'लीडर' के रूप में दिखाई नहीं देते। स्थूल शरीर के अभिमानवश साधारण प्राणी सूक्ष्म सेवा को देख नहीं पाते यह उनकी दृष्टि की कमी है। - स्वामी शरणानंदजी

हे भारत के लोगो ! यदि आपमें संयम का अभाव रहा तो आप जीवित नहीं रह सकते। मेरा यह कहना आपको कठोर लगता होगा परंतु आपको संयम (इन्द्रिय-निग्रह) अपनाना ही होगा, अपने शरीर व मस्तिष्क के लिए, अपने धर्म व इस संसार के लिए और परलोक के लिए - आपको पूर्णतया पवित्र आचरण वाला बनना होगा। पवित्रता, संयम के बिना आपकी वीरता नहीं टिक सकती, एकता नहीं हो सकती, आपके देश में शांति नहीं हो सकती। - स्वामी रामतीर्थजी

ध्यान रखो, यदि तुम आध्यात्मिकता का त्याग कर दोगे और इसे एक ओर रख के पश्चिम की जड़वादपूर्ण सभ्यता के पीछे दौड़ोगे तो परिणाम यह होगा कि तीन पीढ़ियों में तुम एक मृत जाति बन जाओगे क्योंकि इससे राष्ट्र की रीढ़ टूट जायेगी, राष्ट्र की वह नींव जिस पर इसका निर्माण हुआ है नीचे धँस जायेगी और इसका फल सर्वांगीण विनाश होगा। - स्वामी विवेकानंदजी

यूरोप आजकल इसी आध्यात्मिक शक्ति को पैदा करने में लगा हुआ है। फिर भी अभी इसमें उसे पूर्ण विश्वास नहीं है और न तो उसके भरोसे पर काम करने की उसकी प्रवृत्ति ही है। किंतु भारत की शिक्षा, सभ्यता, गौरव, बल और महत्त्व के मूल में आध्यात्मिक शक्ति है। जब-जब लोगों को भारतीय महाजाति का विनाशकाल निकट आया जान पड़ा है तब-तब आध्यात्मिक बल ने गुप्त रीति से उत्पन्न होकर उग्र स्रोत से प्रवाहित हो मुमूर्षु (मृत्यु के निकट पहुँचे हुए) भारत को पुनरुज्जीवित किया है और सारी उपयोगी शक्तियों को भी पैदा किया है। - योगी अरविंदजी

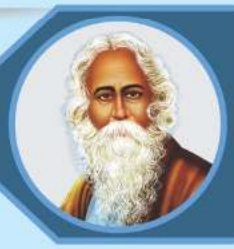

हमारे भारतवर्ष में ब्रह्मचर्य, ब्रह्मज्ञान, सब जीवों पर दया, सब प्राणियों में आत्मा की अनुभूति का शोध हुआ था। इस तत्त्वज्ञान की रक्षा और अनुशासन से ही हम अपने को पा सकते हैं और संसार से आगे बढ़ सकते हैं। - रवीन्द्रनाथ टैगोरजी

रजि. समाचार पत्र

लोक कल्याण सेतु

(हिन्दी, गुजराती, मराठी व ओड़िया भाषाओं में प्रकाशित)

वर्ष : २७ अंक :५ (निरंतर अंक : ३१७)
प्रकाशन दिनांक : १५ नवम्बर २०२३ मूल्य : ₹४.५०
पृष्ठ संख्या : २८ (आवरण पृष्ठ सहित) भाषा : हिन्दी

सम्पर्क पता :
'लोक कल्याण सेतु' कार्यालय, संत श्री आशारामजी आश्रम, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-५ (गुज.)
फोन : (०७९) ६१२१०७३९

सदस्यता शुल्क :

भारत में :		विदेशों में :	
(१) वार्षिक :	₹४५	(१) पंचवार्षिक :	US $५०
(२) द्विवार्षिक :	₹८०	(२) आजीवन :	US $१२५
(३) पंचवार्षिक :	₹१९५		
(४) आजीवन :	₹४७५		

✻ विभिन्न चैनलों पर पूज्य बापूजी का सत्संग ✻

अनादि	DIGIANA DIVYA JYOTI		सेवाकार्य भी	
रोज सुबह ६:३० व रात्रि ११ बजे	रोज रात्रि १० बजे	Asharamji Bapu	Asharamji Ashram	Mangalmay Digital
		यूट्यूब चैनल्स		

✻ 'अनादि' चैनल टाटा स्काई/प्ले (चैनल नं. ११७०) व म.प्र., छ.ग., उ.खं. के विभिन्न केबलों पर उपलब्ध है।
✻ 'डिजियाना दिव्य ज्योति' चैनल मध्य प्रदेश में 'डिजियाना' केबल (चैनल नं. १०९) पर उपलब्ध है।

लोक कल्याण सेतु ई-मैगजीन के रूप में भी पढ सकते है। ई-मैगजीन अथवा हार्ड कॉपी के सदस्य बनने के लिए क्लीक करो...
www.lokkalyansetu.org

लोक कल्याण सेतु रुद्राक्ष मनका योजना :

पूज्य बापूजी के करकमलों से स्पर्शित रुद्राक्ष मनका या जप-माला प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर !...सभी साधक एवं सेवाधारी 'लोक कल्याण सेतु' की इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

इस अंक में...

- **गीता है ज्ञान का सागर...**

कवर स्टोरी २२ दिसम्बर को श्रीमद्भगवद्गीता जयंती है। इस अवसर पर देश-विदेश में विविध आयोजन किये जाते हैं। संत श्री आशारामजी साधक परिवार द्वारा गीता जयंती संबंधी आयोजनों, जैसे... ४

- अमेरिका के जॉर्जिया और कैलिफोर्निया में अक्टूबर महीने को माना 'हिन्दू हेरिटेज मंथ'.....६
- और वह शेर गायब हो गया.....७
- बिखर रहे हैं परिवार, बढ़ रही हैं दूरियाँ : शोध.....९
- सुर्खियों में... – आदित्य ठाकुर.....१०
- तुलसी पूजन दिवस : एक विश्वव्यापी आयोजन.....११
- बच्चों की आत्महत्याओं में ७०% वृद्धि : एन.सी.आर.बी. – रू. भा. ठाकुर.....१४
- कलियुगी मनुष्य की भूख कैसे मिटे ? – श्री रामकिंकरजी.....१६
- धर्मांतरण के नये छिपे हथकंडे – सचिन शेरे.....१८
- धर्मांतरणग्रस्त क्षेत्र में धर्मरक्षा का अभूतपूर्व कार्यक्रम – बिमलेन्द्र तिवारी.....१९
- विद्यालयों में मोबाइल फोन पर लगेगी रोक.....२०
- शीत ऋतु में सेवनीय पौष्टिक व्यंजन.....२१
- श्राद्ध-कार्यक्रमों में उमड़ा जनसैलाब.....२४
- परमात्मा का पता – स्वामी अखंडानंदजी.....२६

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम | **प्रकाशक और मुद्रक :** राकेशसिंह आर. चंदेल | **प्रकाशन-स्थल :** संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात) | **मुद्रण-स्थल :** हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर, (हि.प्र.) -१७३०२५ | **सम्पादक :** रणवीर सिंह चौधरी

Email: lokkalyansetu@ashram.org, ashramindia@ashram.org Website: www.lokkalyansetu.org, www.ashram.org

गीता है ज्ञान का सागर

२२ दिसम्बर को श्रीमद्भगवद्गीता जयंती है। इस अवसर पर देश-विदेश में विविध आयोजन किये जाते हैं । संत श्री आशारामजी साधक परिवार द्वारा गीता जयंती संबंधी आयोजनों, जैसे जागृति यात्रा, गीता ज्ञान प्रतियोगिता, गीता पाठ आदि की तैयारियाँ शुरू कर दी गयी हैं।

गीता की चार मुख्य विद्याएँ जो हैं जीवन का आधार

गीता में चार ऐसी विद्याएँ हैं कि कैसी भी विकट परिस्थिति में फँसा हुआ व्यक्ति यदि इनका आश्रय लेता है तो वह निश्चिंततापूर्वक जीवन जीते हुए जीवन के परम लक्ष्य को पाने तक की यात्रा में सफल हो जाता है। जानते हैं उन ४ विद्याओं को पूज्य बापूजी के सत्संग-वचनामृत से :

(१) अभय विद्या : मनुष्य को बड़े-में-बड़ा डर मृत्यु का है। गीताकार ने मृत्यु का भय दूर करने के लिए 'वासांसि जीर्णानि यथा विहाय...' करके उपदेश दिया है, उसको अभय विद्या कहते हैं । इसके अनुसार मरने के बाद शरीर पंचतत्त्वों में मिल जाता है किंतु इस पंचभौतिक शरीर को जो चला रहा है वह चैतन्य आत्मा सदा रहता है।

(२) साम्य विद्या : मनुष्य की बड़े-में-बड़ी तकलीफ है - राग और द्वेष, विषमता। जिसमें राग हो उसके लिए बेचारा दीन बनता है और जिसके प्रति द्वेष हो उसके लिए ईर्ष्या से बेचारा अशांत होता है, उसकी आत्मिक शक्तियाँ नष्ट हो जाती हैं। राग और द्वेष - दोनों से चित्त अशुद्ध होता है। तो भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में साम्य विद्या का उपदेश दिया है, जिससे राग और द्वेष क्षीण हों।

कोई भी अवस्था आये, वह चली जायेगी। इन अवस्थाओं को देखनेवाला परमात्मा साक्षीस्वरूप है। अपने उस साक्षीस्वरूप को जानकर मुक्त होने की कला बताती है गीता की साम्य विद्या।

(३) ईश्वरीय विद्या : यह जीव थोड़ा कुछ करे तो अपने को बड़ा मानता है। कोई संस्था का बड़ा, कोई समाज का बड़ा... ये सब जो बड़े हैं न, उनका बड़प्पन कहाँ से आता है यह उनको पता ही नहीं चलता इसलिए बेचारे दहीबड़े जैसे हो गये हैं यानी

शोध

बिखर रहे हैं परिवार, बढ़ रही हैं दूरियाँ

संयुक्त पारिवारिक संरचना हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत रही है किंतु पिछले कुछ समय से यह विखंडित होती जा रही है। कंटार कम्पनी के २०२३ के शोध के अनुसार 'भारत में पिछले १४ वर्षों में जितने परिवारों की वृद्धि हुई उनमें से ७५ प्रतिशत एकल परिवार हैं। २००८ में ३७ प्रतिशत परिवार एकल थे, २०२२ में यह आँकड़ा ५० प्रतिशत तक गया।' आइये, जानते हैं क्या है इसका कारण :

पहले के जमाने में ऋषि आश्रमों में अलग-अलग प्रांतों से आये, अलग-अलग जाति के शिष्य एक परिवार की तरह रहते थे, कारण कि वहाँ 'हम सब अनेक शरीर वाले होते हुए भी एक आत्मा हैं' यह अनेकता में एकता का वेदांत-ज्ञान था। इन सुसंस्कारों का जीवन एवं व्यवहार में गहरा समावेश था। परिवारों में भी सत्संग को महत्त्व दिया जाता था, माता-पिता व बुजुर्गों के प्रति आदरभाव रहता था। इससे परिवार बिखरते नहीं थे। संयुक्त परिवार व्यवस्था की मजबूती बनी रहती थी।

समाज को ब्रह्मविद्या के सत्संग से जब विमुख किया गया तब आपसी एकता और प्रेम-सौहार्द के वेदांतिक संस्कारों को वह भूलने लगा। दूसरी ओर फिल्मों, टी.वी. सीरियलों आदि द्वारा भोगवाद के संस्कारों को बढ़ावा दिया गया एवं बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर, सेवा के संस्कारों पर लगातार प्रहार किया जाता रहा। पारिवारिक रिश्तों में, एकता में दरारें पैदा हों ऐसी पटकथाएँ (स्क्रिप्टें) लिखी गयीं। इससे नयी पीढ़ी में अलगाववाद की विचारधारा अधिकाधिक पनपने लगी, जिससे एकल परिवारों में वृद्धि हुई।

आँकड़ों के अनुसार भारत में पिछले २० वर्षों में तलाकों की संख्या दुगने से ज्यादा हुई है। शोधकर्ता कहते हैं : 'संयुक्त परिवार में आर्थिक

तुलसी पूजन दिवस

एक विश्वव्यापी आयोजन

लगभग एक दशक पहले, जब ब्रह्मज्ञानी संत श्री आशारामजी बापू ने २०१४ में २५ दिसम्बर का दिन 'तुलसी पूजन दिवस' के रूप में मनाने का आवाहन किया ही था तब अधिकांश दुनिया को शायद ही यह तथ्य अवगत था कि छोटा-सा तुलसी का पौधा इतना गुणकारी है। संतश्री के मार्गदर्शन में तुलसी की महिमा व तुलसी को घर-घर पहुँचाने के लिए 'वृंदा अभियान' व अन्य प्रकल्प शुरू हो गये। देखते-ही-देखते यह दिवस महापर्व के रूप में पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाने लगा। अब तो इस महापर्व का डंका समूचे विश्व में महीनेभर पहले ही बजना शुरू हो जाता है।

इस वर्ष 'घर-घर तुलसी पहुँचाओ अभियान (वृंदा अभियान)' के अंतर्गत तुलसी पूजन दिवस से महीनाभर पहले ही लाखों की संख्या में तुलसी-पौधों का वितरण हो गया है। २५ दिसम्बर तक पौधे-वितरण की दर और बढ़ती जायेगी। 'तुलसी रहस्य' पुस्तक और ऋषि प्रसाद का 'पर्यावरण सुरक्षा विशेषांक' भी जगह-जगह वितरित किया जायेगा, जागृति यात्राएँ भी निकाली जायेंगी।

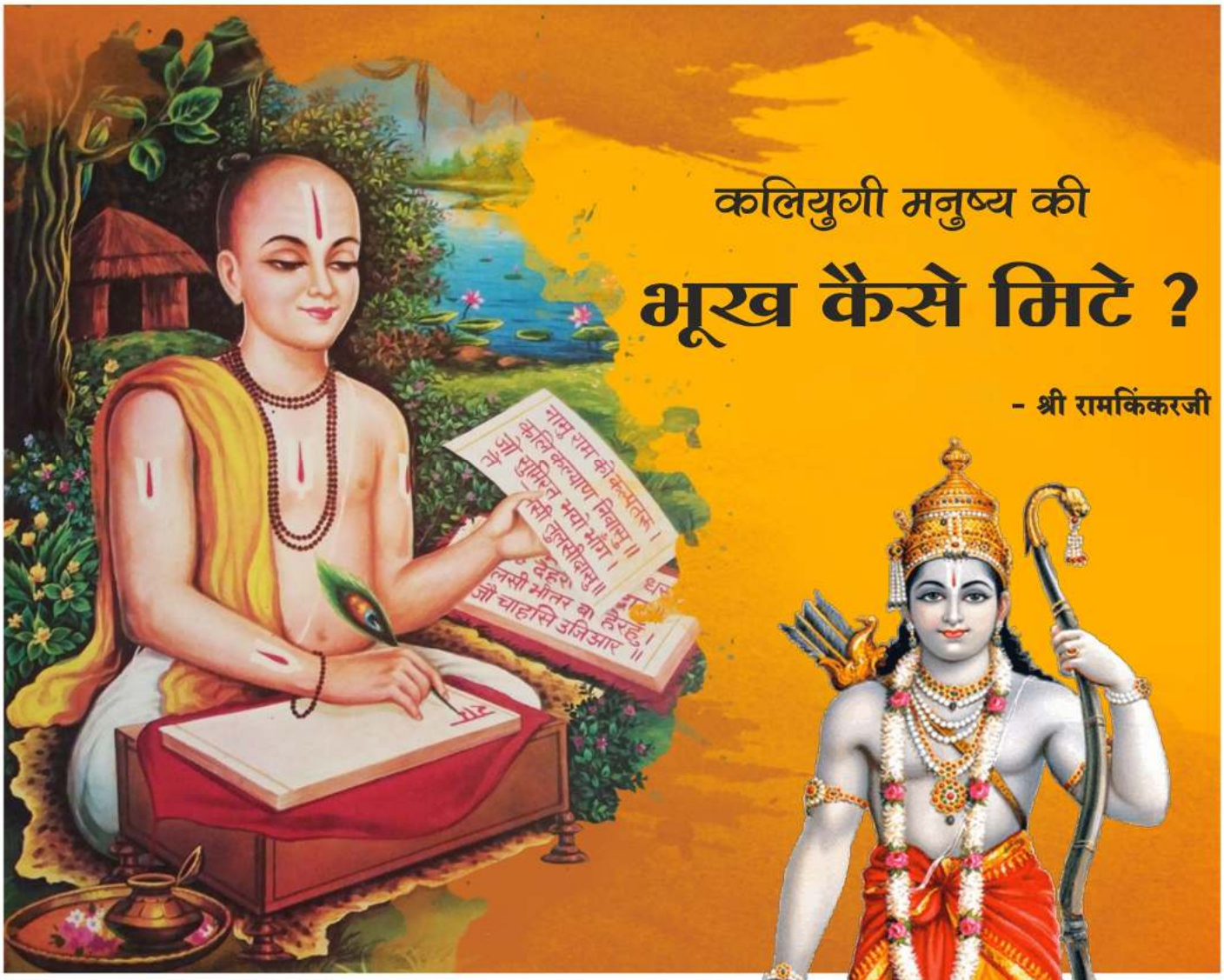

कलियुगी मनुष्य की

भूख कैसे मिटे ?

- श्री रामकिंकरजी

एक दिन प्रातःकाल ही गोस्वामी तुलसीदासजी प्रभु श्रीरामजी के द्वार पर खड़े हो गये और पुकारने लगे कि 'भूखे को भोजन कराइये ! भूखे को भोजन कराइये !!' भगवान ने पूछा कि ''इतने सवेरे ही भूख लग गयी ?''

गोस्वामीजी : ''महाराज ! मैं अनेक दिनों का भूखा हूँ, दोपहर तक की प्रतीक्षा कैसे करूँ ? कैसे करूँ ?...'' रट लगा दी।

भगवान ने पूछा : ''कहाँ से आ रहे हो ?''

''ऐसे स्थान से आया हूँ जहाँ अकाल पड़ा हुआ है।'' कलियुग स्वयं अकाल है। कलियुग के सब व्यक्ति भूख और प्यास से बेचैन हैं।

''यदि अकाल पड़ा होता तो मेरे दरवाजे पर हजारों की भीड़ लग जाती ! तुम तो अकेले दिखाई पड़ते हो, मैं कैसे मानूँ ?''

तब तुलसीदासजी ने एक नयी बात कही : ''अकाल पड़ने में कुछ लोग तो जो मिल गया उसीसे पेट भर लेते हैं। ये कलियुगी प्राणी हैं परंतु मैं ऐसा नहीं हूँ। मैं भिखारी तो हूँ परंतु मैंने निर्णय किया है कि जो मिल जाय सो नहीं खाऊँगा। जब मनचाही वस्तु मिलेगी तभी खाऊँगा।''

उजागर किये धर्मांतरण के नये छिपे हथकंडे

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बजायी खतरे की घंटी

देशवासियों को धोखे में डालें ऐसे नाम देकर शिक्षण संस्थान एवं अन्य संस्थाएँ चलायी जा रही हैं।

मध्य प्रदेश के दमोह जिले में गंगा-जमुना हायर सेकंडरी स्कूल में हिन्दू विद्यार्थियों के जबरन धर्मांतरण के षड्यंत्र की पोल खुल गयी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस मामले की जाँच की, जिसमें निम्न तथ्य सामने आये :

(१) पिछले १० वर्षों से यहाँ हिन्दू बच्चियों को जबरन पहनाया जा रहा था हिजाब।

(२) विद्यार्थियों हेतु प्रत्येक शुक्रवार को अनिवार्य किया गया था नमाज पढ़ना।

(३) विद्यालय के अंदर से मस्जिद जाने के लिए था एक गुप्त रास्ता, जिसके जरिये दी जा रही थी हिन्दू बच्चों को इस्लामिक शिक्षा।

जाँच के बाद विद्यालय की मान्यता को निलम्बित कर दिया गया है व विद्यालय-प्रबंधकों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ऐसी ही गतिविधियाँ दमोह में 'आधारशिला' नामक ईसाई मिशनरी संस्थान द्वारा चलाये जा रहे बालगृह में भी हो रही थीं। कुछ तथ्य :

* बिना कानूनी अनुमति के ही चल रहा था आवासीय बालगृह।
* हिन्दू बच्चों को बाइबिल पढ़ाने के नाम पर रची जा रही थी धर्मांतरण की साजिश।
* बालक-बालिकाओं को रखा जा रहा था एक साथ।

कार्यवाही के चलते इस बालगृह की मान्यता निरस्त कर दी गयी है।

जानकारों का कहना है कि उपरोक्त घटनाएँ तो लम्बे समय से शिक्षण की आड़ में हो रहे धर्म-परिवर्तन के प्रयासों की झलकमात्र हैं, देशभर में आये दिन ऐसी घटनाएँ सामने आती ही रहती हैं। समाजसेवी एवं देशहितकारी संगठनों ने इन पर रोक लगाने हेतु आवाज बुलंद की है एवं आम जनता में भी आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। अब राष्ट्रीय स्तर पर धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाये जाने की माँग ने जोर पकड़ा है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

- सचिन शेरे

तुलसी रहस्य

(सत्शास्त्रों तथा पूज्य बापूजी के संदेशों से संकलित)

तुलसी की बहूपयोगिता का लाभ लेने व दिलाने हेतु पढ़ें-पढ़ायें, जन-जन तक पहुँचायें।

₹ ९

श्रीमद्भगवद्गीता

माहात्म्य, श्लोक व श्लोकों का अनुवाद

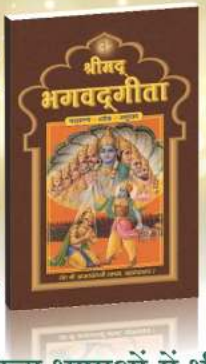

₹ ६०

(पॉकेट साइज)

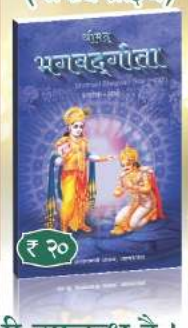

₹ २०

श्रीचित्र-युक्त टाइल्स

घर के प्रवेशद्वारों, दीवालों तथा पूजाघर आदि में लगाने हेतु पूज्य बापूजी के चित्ताकर्षक एवं सत्प्रेरणा, सौभाग्य, समृद्धि व शांति प्रदायक श्रीचित्र वाली टाइल्स।

₹ ५०

यह सत्साहित्य हिन्दी, गुजराती, मराठी, तेलुगु व अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है।

जाहिदी खजूर पोषक तत्त्वों से भरपूर, सेहत का खजाना

ये वात-पित्तशामक एवं १४० प्रकार की बीमारियों को जड़ से उखाड़नेवाले हैं। शर्करा, प्रोटीन्स, कैल्शियम, पोटैशियम, लौह, मैग्नेशियम, फॉस्फोरस, रेशों (fibres) आदि से भरपूर हैं। तुरंत शक्ति-स्फूर्ति देनेवाले ये खजूर रक्त-मांस, वीर्य व कांति वर्धक होने के साथ-साथ कब्जनाशक तथा हृदय व मस्तिष्क के लिए बलप्रद हैं। इनका सेवन बारहों महीने कर सकते हैं।

₹ १००
१ कि.ग्रा.

होमियो तुलसी गोलियाँ

₹ ४०
१२.५ ग्राम

ये हृदयरोग, दमा, टी.बी., हिचकी, विष-विकार, सर्दी-जुकाम, श्वास-खाँसी, खून की कमी, दंतरोग, त्वचा-संबंधी रोग, सिरदर्द, संधिवात, मधुमेह (diabetes), यौन-दुर्बलता, प्रजनन व मूत्रवाही संस्थान के रोगों में लाभकारी हैं। ये हर आयुवर्ग के रोगी तथा निरोगी - सभीके लिए लाभदायी हैं।

किशमिश

अंगूर के सभी गुणों व दूध के लगभग सभी तत्त्वों से युक्त। करे सूखी खाँसी और खून की कमी दूर। वृद्धावस्था में करे स्वास्थ्य की रक्षा। दूध की अपेक्षा शीघ्र पचनेवाली। शक्ति-स्फूर्तिदायी।

₹ १४०
५०० ग्राम

केसर, मकरध्वज व चाँदी युक्त स्पेशल च्यवनप्राश देशी गाय के घी, आँवला व अनेक जड़ी-बूटियों से निर्मित

₹ ३००
१ कि.ग्रा.

✻ स्मरणशक्ति, बल, बुद्धि, स्वास्थ्य, आयु एवं इन्द्रियों की कार्यक्षमता वर्धक ✻ रोगप्रतिकारक शक्ति, नेत्रज्योति व स्फूर्ति वर्धक ✻ हृदय व मस्तिष्क पोषक ✻ फेफड़ों के लिए बलप्रद ✻ ओज, तेज, वीर्य, कांति व सौंदर्य वर्धक ✻ हड्डियाँ, दाँत व बाल बनाये मजबूत ✻ क्षयरोग में तथा शुक्रधातु के व मूत्र-संबंधी विकारों में उपयोगी ✻ वात-पित्तजन्य विकारों में तथा दुर्बल व्यक्तियों हेतु विशेष हितकर।

शुद्ध हीरा-भस्मयुक्त वज्र रसायन टेबलेट

ये गोलियाँ देह को वज्र के समान दृढ़ व तेजस्वी बनानेवाली हैं। ये त्रिदोषशामक, जठराग्नि व वीर्य वर्धक एवं दीर्घायुष्य-प्रदायक हैं। मस्तिष्क को पुष्ट कर बुद्धि, स्मृति तथा इन्द्रियों की कार्यक्षमता बढ़ाती हैं। ये कोशिकाओं के निर्माण में सहायक हैं।

₹ १७५
२५ गोलियाँ

दिव्य स्वर्णक्षार युक्त पीयूष बल्य रसायन

₹ २००
६० गोलियाँ

यह गौ-पीयूष से प्राप्त तेजस्वी स्वर्णक्षार व अन्य अत्यंत गुणकारी पोषक तत्त्वों से युक्त होने से शक्ति, पुष्टि का दिव्य स्रोत है।

₹ २३०
४५० ग्राम

आयु, आरोग्य एवं पुष्टि वर्धक अश्वगंधा पाक

यह पुष्टि व वीर्य वर्धक, स्नायु एवं मांसपेशियों को ताकत देनेवाला तथा कद व मांस बढ़ानेवाला है।

उपरोक्त सामग्री संत श्री आशारामजी आश्रमों में सत्साहित्य सेवा केन्द्रों से तथा समितियों से प्राप्त हो सकती है। अन्य उत्पादों व उनके लाभ आदि की विस्तृत जानकारी के लिए एवं घर बैठे रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा सामग्री-प्राप्ति हेतु गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें : "Ashram eStore" App या विजिट करें : www.ashramestore.com या सम्पर्क करें : (०७९) ६१२१०७६९. ई-मेल : contact@ashramestore.com

अहमदाबाद आश्रम में सुसम्पन्न हुए ७ दिवसीय विद्यार्थी अनुष्ठान शिविर की मनोरम झलकें

RNI No. 66693/97
RNP No.GAMC-1253-A/2021-2023
Issued by SSPO's-AHD
Valid upto 31-12-2023

WPP No. 02/21-23
(Issued by CPMG UK. valid upto 31-12-2023)
Posting at Dehradun G.P.O. between 18th to 25th of every month.
Publishing on 15th of every month

भगवन्नाम-जप

संकीर्तन

योगासन
गुरुदेव की विरह-व्यथा में डूबे हुए शिविरार्थी

गुरुकुल के पुरस्कृत विद्यार्थी

सूर्य-अर्घ्य

ऋषि प्रसाद प्रतियोगिता के विजेता

विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार पाते विजेता विद्यार्थी
लोक कल्याण सेतु सदस्यता-सेवा विजेता

'लोक कल्याण सेतु सदस्यता अभियान' में पूज्य बापूजी द्वारा स्पर्शित प्रसाद आदि पाते कर्मयोगी

सर्वपितृ अमावस्या पर आश्रमों में हुए सामूहिक श्राद्ध कार्यक्रमों में उमड़ा जन-समाज

लखनऊ

बेलौदी, जि. दुर्ग (छ.ग.)

भोपाल

पंढरपुर (महा.)

दमण (दमण एवं दीव)

जोधपुर (राज.)

राणापुर, जि. झाबुआ (म.प्र.)

नाशिक (महा.)

छिंदवाड़ा (म.प्र.)

हिम्मतनगर (गुज.)

बिलासपुर (छ.ग.)

कोलकाता (प.बं.)

स्थानाभाव के कारण सभी तस्वीरें नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक तस्वीरों हेतु वेबसाइट www.ashram.org/seva देखें।

आश्रम के मासिक प्रकाशन लोक कल्याण सेतु, ऋषि प्रसाद व ऋषि दर्शन की सदस्यता हेतु स्कैन करें : Lok Kalyan Setu Rishi Prasad Rishi Darshan

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम **प्रकाशक और मुद्रक** : राकेशसिंह आर. चंदेल **प्रकाशन-स्थल** : संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात) **मुद्रण-स्थल** : हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर (हि.प्र.)-१७३०२५ **सम्पादक** : रणवीर सिंह चौधरी